Shri Dasappa: I would like to know, in answer to part (b) of the question, whether the largest grape growing area is not round about Bangalore? There are already 3,000 acres of land under grapes. In fact, they are not able to find a good enough market for their grapes as prices are going down. May I know why no attempt is made to get the grapes sent to other parts of India?

Shri Tyagi: Your grapes are sour!

Dr. P. S. Deshmukh: The area given by the hon. Member is quite correct. It is in the neighbourhood of 3,000 acres. I have not heard any complaint about the prices and so we have not been able to do anything.

An Hon. Member: Send it to Delhi.

श्री ग्र० मु० तारिक : स्टेटमेंट में वजीर साहब ने फरमाया है कि हम ने प्लान पर २,११,००० रुपये की रकम रखी थी हिमाचल प्रदेश के लिये । उस में से अब तक कुल ३६,५६६ रुपया खर्च हुआ है । इस से जाहिर है कि हमारी रफ्तार किस कदर सुस्त है । मैं यह कहना चाहता हूं कि अगर इस रफ्तार में कुछ तेजी की जाये तो कोई मुजाइका नहीं होगा ।

डा० पं० शा० देशमुख : रफ्तार तेज करने के लिए कोशिश हो रही है मगर कुछ दिक्कतें भी सामने आती है । यह रिसर्च का काम है और इस के लिए अच्छे आदमी चाहिए ।

Some Hon. Members *rose*—

Mr. Speaker: We have not gone over nine questions.

Shri B. K. Gaikwad: May I ask one question?

Mr. Speaker: Not now.

Rise in Price of Wheat in Delhi

\+

*61. **Shri Rameshwar Tantia:**
Shrimati Ila Palchoudhuri:
Shri Ram Krishan:
Shri S. M. Banerjee:
Shri Prakash V. Shastri:
Shri Vajpayee:
Shri Raghunath Singh:
Pandit D. N. Tiwary:
Shri Naval Prabhakar:
Shri Bibhuti Mishra:
Shri R. S. Tiwary:
Shri Mohan Swarup:

Will the Minister of **Food and Agriculture** be pleased to state:

(a) whether Government are aware that the wheat prices in Delhi have registered a very high rise;

(b) if so, what is the reason of the high prices; and

(c) what steps have been taken to supply low priced wheat to the people in Delhi?

The Deputy Minister of Food and Agriculture (Shri A. M. Thomas): (a) and (b). Yes, the price of indigenous wheat has increased. The main reason is that Delhi receives its supply of indigenous wheat from Punjab where the prices have risen. The rise of prices in Punjab may be due partly to shortage of supply in the market, partly to panicky purchases by consumers out of fear that prices will go up further and also to some extent to the exploiting of the situation whenever possible by the trade.

(c) From the middle of November Government arranged for the supply of cheap atta in the market by requiring the mills to make atta only out of imported wheat. Early in January, the availability of such atta was increased by increasing the quota of the mills to their maximum capacity. In addition, sale of imported wheat through about 200 fair price shops was arranged. These supplies are adequate for meeting the entire requirements of Delhi.

Shri Rameshwar Tantia: May I know whether it is a fact that before

the present rise in the wheat prices in Delhi, the authorities were aware that wheat was being smuggled to the adjoining States, and if so, what steps have been taken to stop that smuggling?

Shri A M Thomas: Punjab and Delhi are within one and the same zone There have been allegations that wheat was being smuggled to U P, and steps have been taken to stop it

Shri Jagdish Awasthi: What steps have been taken?

Shri Tyagi: I protest against this

श्री नवल प्रभाकर दिल्ली की जन-सम्पर्क समिति में खाद्य समस्या के सम्बन्ध में विचार किया गया था और उस के बहुत सारे सदस्यों की यह राय है कि जो आटा इस समय सरकार की ओर से दिया जाता है, उस के अन्दर चावल की कनकी पीसी जाती है और इसी तरह के सस्ते अनाज उस में पीस कर दिये जाते हैं। मैं जानना चाहता हूं कि क्या मन्त्री महोदय को इस की जानकारी है।

खाद्य तथा कृषि मंत्री (श्री अ० प्र० जैन) इस वक्त जिस कीमत पर हम गेहूं दे रहे हैं, उस से और सस्ता अनाज कोई नहीं है। माननीय सदस्य ने जो कनकी के बारे में कहा है, हमारी इत्तिला यह है कि यह बिल्कुल गलत बात है।

श्री विभूति मिश्र : अभी मन्त्री जी ने बताया कि ट्रेड ने सिचुएशन को एक्सप्लायट किया। मैं यह जानना चाहता हूं कि सरकार ने उस के लिए क्या दवाई की।

श्री अ० प्र० जैन बहुत सारी जगह गल्ला पकड़ा गया है। पंजाब गवर्नमेंट ने कुछ उन लोगों के ट्रक परमिट कैन्सल कर दिये, जोकि स्मगलिंग में लगे हुए थे। पंजाब गवर्नमेंट इस तरह से उन को पकड़ रही है।

श्री राधा रमण मैं मन्त्री जी से पूछना चाहता हूं कि क्या उन की यह जानकारी है कि यहां से रोजाना करीब करीब बीस हजार व्यक्ति रेल के जरिये दो दो, ढाई ढाई सेर गेहूं बाहर ले जाते हैं, और वह सब स्मगल होता है। क्या उस को भी रोकने की जरूरत है?

श्री अ० प्र० जैन : मैं इस को स्मगलिंग नहीं कहूंगा, क्योंकि कानून के मुताबिक हर एक आदमी यहां से पांच सेर गेहूं ले जा सकता है। आखिर लोग यहां आते जाते हैं और उन को खाने की जरूरत होती है। हमारा उन को रोकने का इरादा नहीं है। आप ने जो बीस हजार की संख्या बताई है, उस का मुझे तो पता नहीं है।

Raja Mahendra Pratap: A famous CID officer called on me this morning, by name Mr Bali of Lodi Colony, and he said that he could trace many great shop-keepers and shops where grain is stored Can you take his services? He is prepared to help you

Mr Speaker: That is a suggestion for action

Shri S. M Banerjee: The hon Minister has just stated that 200 fair price shops have been started May I know whether it is a fact that these shops are quite inadequate to supply atta and wheat to the people, and if so, whether the number is going to be increased? May I also know the price at which atta and wheat are being sold in the open market at Delhi?

Shri A. P. Jain: The number 200 refers only to wheat Otherwise, there are more than 4,000 shops for atta operating in Delhi

Shri S. M. Banerjee: My question has not been answered. I had asked for the price of wheat and *atta* in the open market

Mr. Speaker: He will think over and answer.

श्री वाजपेयी : खाद्य समस्या के हल में सहायता देने के लिए प्रत्येक राज्य सरकार को सर्वदली समिति बनाने का सुझाव केन्द्र की ओर से दिया गया था । क्या इस प्रकार की कोई समिति दिल्ली मे बनी है और यदि नहीं, तो क्या वह बनेगी और अगर नही बनेगी, तो क्यो नही बनेगी ?

Mr. Speaker: All are parts of the same question.

श्री अ० प्र० जैन : यह मामला होम मिनिस्ट्री में आया । दिल्ली मे एक सलाह देने वाली समिति है, जिस में बहुत सारे दलो का प्रतिनिधित्व है । अभी तक होम मिनिस्ट्री की राय यह हुई है कि यह सलाहकार कमेटी खाद्य के तमाम मामले को भी देख सकती है ।

श्री अ० ला० द्विवेदी क्या यह सच है कि गल्ले की रोक-थाम के लिए जब दुकानो में स्टोर किया गया गल्ला पकडा गया, तो गवर्नमेंट ने केवल यू० पी० के दुकानदारो का गल्ला ले लिया, लेकिन पंजाब के दुकानदारो का गल्ला नही पकडा गया ? क्या मंत्री महोदय बतायेंगे कि ऐसा क्यो किया गया और एक प्रकार के दुकानदारो पर यह ज्यादती क्यो की गई ?

श्री त्यागी : क्योंकि मिनिस्टर यू० पी० के है ·

श्री अ० प्र० जैन : पहली बात यह है कि आनरेबल मेम्बर की इत्तिला ठीक नही है । शुरू शुरू में यह जरूर था कि यू० पी०. के कुछ दुकानदारो ने बेजा नफा कमाने के लिए इस उम्मीद पर कि पंजाब से उत्तर प्रदेश को गेहूं के जाने की जो रुकावट है, वह हट जायगी, आठ दस लाख मन या इस से भी ज्यादा अनाज खरीद लिया था और जिस वक्त यह फैसला हो गया कि अब इस रुकावट को हटाया नही जायगा, तो यह मुनासिब समझा गया कि इस गल्ले को ले लिया जाये । बाद मे पंजाब के जिन व्यापारियों ने बहुत तादाद में अनाज रखा हुआ था, जिन का यू० पी० से कोई सम्बन्ध नही था, उन का अनाज भी ले लिया गया ।

श्री अ० ला० द्विवेदी : क्या यह सच है कि

Mr. Speaker: Order, order. First I must exhaust those hon. Members who had taken the trouble of tabling the question The hon Member's name does not appear here

श्री रा० स० तिवारी : क्या दिल्ली में अनाज बेचने वाली को-आपरेटिव सोसायटिया हैं या बडे आदमियो को अनाज बेचने का काम दिया गया है ?

श्री अ० प्र० जैन : बड़े आदमियो का कोई प्रश्न नही है, क्योकि छोटे छोटे दुकानदार-खुर्दाफरोश है और कुछ को-आपरेटिव सोसायटिया भी है ।

Shri Ram Krishan. May I know the highest wheat price registered so far?

Shri A. M. Thomas. In Delhi, Rs 20 50 was the highest price, that was for the Dara variety

श्री० रणबीर सिंह क्या मंत्री महोदय को इस बात का पता है कि देहात में खेत मजदूरो को गेहूं नही मिलता है और जिन लोगो की बहुत थोड़ी आमदनी है, उन को सस्ता गेहू देने के लिये क्या इन्तजाम किया गया है ?

श्री अ० प्र० जैन : मंत्री महोदय को यह भी पता है कि कुछ बड़े बडे किसानों

ने पंजाब में गांवों में अब भी अनाज को छिपा कर रखा हुआ है और उन से भी वह अनाज लिया जायगा ।

Ch. Ranbir Singh rose—

Mr. Speaker: Order, order. I have allowed one question to the hon. Member. If ryots should come to the House and then say that *atta* has not been given to them, what about others who are living in towns?

Shri S. M. Banerjee: May I know the price of *atta* and wheat at present in Delhi?

Shri A. P. Jain: All the *atta* is manufactured out of the overseas wheat, and it is being sold at the rate of Rs. 15·81 per maund

Shri Rameshwar Tantia: As there is a general complaint about the quality of the imported wheat and *atta*, may I know whether Government are taking steps to get it examined by the laboratories?

Mr Speaker: He says there is a general complaint about the quality of the imported wheat or *atta*, and he wants to know what steps are being taken to rectify the same

Shri A. P. Jain: I am eating that *atta*; perhaps, the hon Speaker is also eating that *atta* and I have not heard of any such complaint

Mr. Speaker: I do not suppose the hon Minister will invite my opinion about it.

Shri Hem Barua: We would like to have it

Mr. Speaker: Next question

Diesel and Electric Locomotives

+

*62. { **Shri Shree Narayan Das:**
{ **Shri Keshava:**

Will the Minister of **Railways** be pleased to state:

(a) whether any, if so what, efforts are being made for the manufacture of Diesel and Electric Locomotives in India; and

(b) the present requirement of Railways for such locomotives?

The Deputy Minister of Railways (Shri Shahnawaz Khan): (a) Yes; proposals are under consideration

(b) Besides the orders already placed, the requirements for the remaining 2nd Plan period are about 25 Broad Gauge main line diesels, and 53 Broad Gauge Diesel Shunters For A C electrification schemes which are expected to be completed during the 2nd Plan period, it is assessed that 151 electric locos would be necessary. Orders have been placed for 110 locos Seven D C locos of 1500 Volts will also be necessary for Central Railway during the 2nd Plan period.

Shri Shree Narayan Das: What is the nature of the proposals that are being considered now both for diesel and for locomotive manufacture?

Shri Shahnawaz Khan: We have taken a policy decision in the Railway Ministry that the development of *electric locomotives will be done in* the public sector. The diesel locomotive development will be left to the private sector For the development of electric locomotives, we have placed an order for 110 locomotives abroad. Out of those, 10 locomotives are being received at Chittaranjan in a knocked down condition. Those locomotives will be assembled in Chittaranjan and that will give valuable training for our staff. We have also made arrangements with our consultants who are the French National Railways, to send our people for training abroad in their factories We hope that the mechanical parts of the electric locomotives will be manufactured at Chittaranjan The electrical parts will be manufactured at the Heavy Electrical Project at Bhopal

Shri Shree Narayan Das: Have any foreign firms made any offer for manufacturing diesel engines here?

Shri Shahnawaz Khan: There are three well known Indian firms,